



हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट, भोपाल

प्रचार एवं जनसंपर्क विभाग

दिनांक: 19/02/2024

दैनिक प्रेस क्लिप



आज की समाचार कतरनें

S no.	Publication	Subject	Page no.
01	Sach Express	Union related news	02
02	Pradesh Today	HRM related news	03
03	Sach Express	HRM related news	04
04	Patrika	TAD related news	05
05	Patrika	TAD related news	06

Publication Date-	17.02.2024	Sach Express
Page no.-	08	
Journalist-	Bhopal Bureau	

भेल में हड़ताल का नहीं पड़ा असर

भोपाल। किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में अखिल भारतीय हड़ताल का आवाहन किया गया था। जिसमें भेल की हैदराबाद ग्रिड, रानीपेट, हरिद्वार आदि इकाई में संयुक्त मोर्चा, इंटक एसीट, एआईटीयूसी, एचएमएस आदि के तत्वाधान में भेल की इकाइयों में हड़ताल को सफल बनाया गया। मगर, भेल के मंदार प्लांट में यहां के किसी भी यूनियन द्वारा प्रबंधन को हड़ताल का नोटिस तक नहीं दिया गया। आश्चर्य की बात है कि भेल भोपाल में भी वामपंथी संगठन के सत्ता में होते हुए भी हड़ताल तक का नोटिस भी प्रबंधन को नहीं देना भेल भोपाल के आम कर्मचारियों के गले नहीं उतर रहा। यही नहीं श्रमिकों और किसानों की मांग को लेकर इस यूनियन की कुछ यूनियन प्रबंधन के सामने नतमस्तक दिखाई दी।

Publication Date-	16.02.2024	Pradesh Today
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	

भेल में फर्जी नियुक्ति पत्र जारी होने से हड़कंप

भोपाल। बीएचईएल भोपाल यूनिट में गत दिवस मानव संसाधन विभाग के अपर महाप्रबंधक आरिफ सिद्दीकी के नाम से किसी अज्ञात व्यक्ति ने बीएचईएल भोपाल में नौकरी दिलाने के नाम पर एक परिपत्र जारी कर दिया इससे बीएचईएल में हड़कंप मचा हुआ है। यह परिपत्र व्हाट्स एप पर जारी हुआ है। इसको लेकर भेल प्रबंधन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि भेल के औद्योगिक सम्बंध, मानव संसाधन विभाग के नाम से 13 फरवरी 2024 का उल्लेख करते हुए जारी एक फर्जी परिपत्र की सूचना प्राप्त हुई है जो किसी शरारती तत्व कई व्हाट्स एप ग्रुप पर भेजी गई हैं।





Publication Date-	16.02.2024	Sach Express
Page no.-	03	
Journalist-	Bhopal Bureau	

**भेल में नौकरी के लिए
फर्जी परिपत्र जारी
प्रबंधन ने चेताया**

भोपाल। भोपाल के औद्योगिक संबंध मानव संसाधन विभाग के नाम से दिनांक 13.2.2024 का उल्लेख करते हुए जारी एक फर्जी परिपत्र की सूचना प्राप्त हुई है जो किसी शरारती तत्व कई क्लाउड्स एप ग्रुप पर भेजी गई हैं। इस परिपत्र में यह उल्लेख किया गया है कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल में मशीनरी व्यवसाय के कर्मचारियों की आवश्यकता है और सभी मशीनरी व्यवसाय के प्रशिक्षुओं को आर्टीजन के रूप में नियुक्त किया जाता है। दिनांक 14 फरवरी 2024 को 5वीं मंजिल पर नियुक्ति पत्र वितरित किया जाएगा। इस संदर्भ में शरारती तत्व के विरुद्ध प्रबंधन द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है तथा इसके साथ सभी आम लोगों को यह सूचित किया जाता है कि वे इस तरह के फर्जी और भ्रामक परिपत्र से गुमराह न हों। बीएचईएल केंद्र सरकार का एक प्रतिष्ठित महारत्न उपक्रम है और यहाँ किसी भी तरह की भर्ती एक निहित प्रक्रिया के अधीन विधिवत विज्ञापन निकाल कर ही की जाती है।

Publication Date-	18.02.2024	Patrika
Page no.-	01	
Journalist-	Bhopal Bureau	

स्किल डेवलपमेंट में कार्यरत कई कर्मचारियों को दो महीने पहले हटाया जा चुका है नौकरी से हटाया फिर भी भेल के आवास और सुविधाओं का सुख भोग रहे कर्मचारी



भेल **पत्रिका**, बीएचईएल लेडीज क्लब की इकाई स्किल डेवलपमेंट वेलफेयर सोसायटी से 13 कर्मचारियों को निकाले जाने के बाद भी उन्हें आवंटित किया गया आवास और सुविधाएं अब तक वापस नहीं ली गईं। ऐसे में वे नौकरी में नहीं होने के बाद भी भेल के आवास और सुविधाओं का सुख भोग रहे हैं। सूत्रों की माने तो भेल के आवास भेल कर्मचारियों के साथ ही भेल के तहत संचालित होने वाली विभिन्न सोसायटियों, भेल लेडीज क्लब की विभिन्न इकाइयों में काम करने वाले कर्मचारियों को भी आवंटित किए जाते हैं। सोसायटियों और भेल लेडीज क्लब की विभिन्न इकाइयों में काम करने वाले कर्मचारियों को कम दाम में मकान दिया जाता है। भेल लेडीज क्लब के स्किल डेवलपमेंट वेलफेयर सोसायटी में कार्यरत 13 कर्मचारियों को भी मकान दिया गया था। इनसे हर महीने एक हजार रुपए किराया लिया जाता है।



भेल के जर्जर आवासों में भी लोगों का आशियाना



भेल टाउनशिप में जर्जर आवासों में भी लोगों का आशियाना है। यह इन आवासों में रहने वाले लोगों के लिए कभी भी भारी पड़ सकता है। भेल टाउनशिप में किसी भी प्रकार की

दुर्घटना होने पर उसकी जिम्मेदारी भेल प्रबंधन की मानी जाती है। ऐसे में भेल संपदा विभाग द्वारा बरती जा रही लापरवाही दुर्घटना होने पर भेल प्रबंधन को भारी पड़ सकती है।

स्किल डेवलपमेंट दे चुका है सूचना

भेल लेडीज क्लब द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट संपदा विभाग को सूचना- पत्र देकर अवगत करा चुका है कि स्किल डेवलपमेंट वेलफेयर सोसायटी में कार्यरत उक्त 13 कर्मचारियों को विभिन्न कारणों से नौकरी से निकाला जा चुका है। ऐसे में इन्हें उपलब्ध कराई गई सुविधाएं वापस ली जाएं। इस संदर्भ में भेल संपदा विभाग द्वारा 11 जनवरी को सात दिन के अंदर आवास खाली करने का नोटिस जारी किया गया, लेकिन अब तक इसके आगे कार्रवाई नहीं की गई।

किसके संरक्षण में आवासों में रह रहे

अब सवाल उठता है कि किन भर भेल संपदा विभाग का अतिक्रमण विरोधी अमला टीम और सिविलीटी गार्डों के साथ भेल टाउनशिप में घूमण करता रहता है, इसके बाद भी ऐसे लोगों से आवास खाली नहीं कराए जा रहे हैं, बल्कि ऐसे लोगों को संरक्षण दिया जा रहा है। सूत्रों की माने तो इन आवासों में रह रहे लोगों को कार्रवाई होने के पहले ही अमले के आने का पता चल जाता है। ऐसे में यहां रह रहे लोग मकान में ताला लगाकर घलते बनते हैं।

कमरों का 8 हजार रुपए है स्टैंडर्ड रेट

सूत्रों की माने तो इन आवासों का स्टैंडर्ड रेट 8000 हजार रुपए है। ऐसे में कुछ कर्मचारियों द्वारा एक हजार रुपए प्रति माह भेल संपदा विभाग को भुगतान कर 7 से 8 हजार रुपए प्रति महीने के हिसाब से इन आवासों को किराए पर चलाया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि भेल संपदा विभाग द्वारा भेल कर्मचारियों, सोसायटी कर्मचारियों आदि से किराया जमा नहीं करने पर या फिर नौकरी से हटाए जाने के बाद तत्काल मकान खाली करा लिया जाता है, लेकिन भेल लेडीज क्लब के स्किल डेवलपमेंट से निकाले गए कर्मचारियों पर इतनी मेहरबानी क्यों दिखाई जा रही है। जबकि भेल संपदा विभाग का अतिक्रमण विरोधी अमला सिविलीटी गार्ड के साथ दिन भर भेल टाउनशिप में घूमण करता रहता है।

Publication Date-	18.02.2024	Patrika
Page no.-	01	
Journalist-	Bhopal Bureau	

बीएचईएल टाउनशिप में जिम्मेदारों की लापरवाही भेल कर्मचारियों पर पड़ रही भारी

भेल कर्मचारियों को बूंद-बूंद के लिए परेशान होना पड़ता है, यहां कई दिनों से बह रहा पानी

पत्रिका पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बरखेड़ा भेल. बीएचईएल टाउनशिप में सब कुछ भगवान भरोसे चल रहा है। यहां किसी की कोई जिम्मेदारी नहीं है। जहां देखो वहीं लापरवाही का आलम है। यह हम नहीं बल्कि भेल टाउनशिप के हालात बता रहे हैं। ऐसा ही मामला शनिवार को बरखेड़ा ई सेक्टर में राधा-कृष्ण मंदिर के सामने देखने को मिला। यहां बीएचईएल द्वारा पानी सप्लाई के लिए डाली गई पाइप लाइन में सुराख होने से हजारों गैलन पानी बह गया। इसके बाद भी इसे कोई देखने वाला नहीं है। जबकि पास में ही बरखेड़ा सिविल विभाग है। यहां मैनेजर से लेकर अलग-अलग विभागों के इंजीनियर और वर्कर्स कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इसके बाद भी यहां रहने वाले कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है।



यह तालाब नहीं, बल्कि लोगों के पीने का पानी से बन गया है तालाब

यह कोई तालाब नहीं है, न ही बारिश का पानी भरा हुआ है, जहां बच्चे पानी में खेल रहे हैं। बल्कि यह भेल टाउनशिप में रहने वाले कर्मचारियों के घरों में पेयजल के लिए सप्लाई होने वाला पानी है। भेल कर्मचारियों का कहना है कि बार-बार पानी की पाइप लाइन टूटने या फिर चोरी होने के कारण पानी सप्लाई बाधित होती है। बरखेड़ा ई सेक्टर में पाइप टूटने से बसंत पंचमी से पानी बह रहा है।